DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with A Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph.: 07753-253801 Fax: 07753-253728
E-mail: info@cvru.ac.in, visit us at: www.cvru.ac.in

क्र.284 / कु.स. / सी.व्ही.आर.यू. / 2024 बिलासपुर, दिनांक : 08.07.2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह जून – 2024 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा जून – 2024 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

for Rakesh Mishra
कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– जून – 2024

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	<u>फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी</u> बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफ्टवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) <u>फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन</u> बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) <u>फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन</u> बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.)

		मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पी.जी.डी.सी.ए. (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला बी. जे. एम. जे. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीवविज्ञान) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)

		एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है। रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है।

08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं शिक्षकों की रिक्त पद हेतु माननीय आयोग को अनुमोदन हेतु विषय विशेषज्ञों की सूची प्रेषित की गई है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 01.03.2024 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा

		रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	सत्र 2023–24 के शुल्क अनुमोदन माननीय आयोग के द्वारा किया जा चुका हैं एवं सत्र 2024–25 के लिये माननीय आयोग के निर्देशानुसार शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जायेगी।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है एवं समय समय पर किया जाता है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– विकसित भारत@2047 एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय करगीरोड कोटा में फार्मेसी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 03.06.2024 को शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक जीवन में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में आदरणीय श्री गौरव निदरिया (आर्किटेक्ट निदरिया प्लान, इंदौर, मध्य प्रदेश) शामिल हुए इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित श्री गौरव निदरिया ने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान का होना भी अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा

		कि आपको अपने विश्वविद्यालय पर गर्व होना चाहिए, क्योंकि आपके इस विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ कौशल आधारित एवं रोजगार से संबंधित शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक जीवन में परिवर्तन विषय पर विस्तार से विद्यार्थियों को जानकारियां दी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके करियर के संबंध में प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जिसका विषय विशेषज्ञ ने बड़ी सहजता से जवाब दिया। – विश्व पर्यावरण दिवस पर दिनांक 05 जून 2024 को डॉ. सी . व्ही. रमन विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठि का आयोजन किया गया। यह आयोजन वैदिक पर्यावरण विज्ञान विकसित भारत के संदर्भ विषय पर किया गया। इसमें बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर चिंतन–मनन किया गया एवं वैदिक पर्यावरण विज्ञान के बारे में जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. पी. दुबे जी ने कहा कि प्यावरण प्रदूषण वैश्विक समस्या है, लेकिन इसका समाधान केवन भारतीय वेदों में है, वेदों मे पर्यावरण को पूजने की बात कही गई है, हम पर्यावरण का संरक्षण करें और उसे उतना ही ले जितनी हमारी आवश्यकता है। पर्यावरण संबंधित शोधों को विश्वविद्यालय प्राथमिकता दे रहा है। विश्वविद्यालय में साइकिल, सोलर पार्क तथा सोलर कार्ट का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में एनसीसी के कैडेट्स एवं एनएसएस के विद्यार्थियों ने बीजारोपरण किया। साथ ही कैडेटस और विद्यार्थियों ने सभी पौधों की देखरेख करने और उन्हें पोषित करने का संकल्प भी लिया।

		– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा LaTeX का उपयोग करके वैज्ञानिक लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला दिनांक 06 जून 2024 से 08 जून 2023 को आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों के ज्ञान और कौशल को पेश करना और आगे बढ़ाना था। गणितीय टाइपसेटिंग के लिए LaTeX का उपयोग करने वाले छात्रों को परिचित कराना था। कार्यशाला का उद्देश्य गणितीय अभिव्यक्तियों के लिए आवश्यक LaTeX कमांड और सिंटैक्स वाले प्रतिभागी गणितीय दस्तावेज, शोध पत्र बनाने में व्यावहारिक अभ्यास और मार्गदर्शन प्रदान करना था। LaTeX का उपयोग करके असाइनमेंट और प्रस्तुतियाँ कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को सिखाना था, जिसका कि व्यापक रूप से शिक्षा जगत एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उपयोग किया जा सके। – साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में पांच दशकों से निरंतर सक्रिय रहते हुए वैश्विक फलक पर विशिष्ट उपलिब्धियां हासिल करने के फलस्वरूप विश्व रंग के निदेशक एवं डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी को प्रतिष्ठित अंर्तराष्ट्रीय " भारत गौरव सम्मान – 2024 " सें अंलकृत किया गया। यह सम्मान उन्हं लक्जमबर्ग पैलेस, फांस सीनेट पेरिस में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में 05 जून 2024 को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अतिथि फांस सीनेट के उप–सभापति डोमिनिक थेफिल, सीनेट सदस्य फेडरिक बुवाल, फांस में भारत के काउंसलेट जनरल प्रवीण कुमार मिश्रा व महंत डॉ. नरेश पुरी गोस्वामी महराज थे। इस अवसर पर श्री संतोष चौबे की पुस्तक "घर बाहर" एवं डॉ. जवाहर कर्णावट, निदेशक, टैगोर

		अंर्तराष्ट्रीय हिंदी केंद्र का भी लोकार्पण किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में सोशयो इकोनामिक, इकोलाजिकल एंड कल्चरल एस्पेक्टस ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ रिवर्स विषय पर 12 जून एवं 13 जून को दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस में भारत के अलावा यूके व नेपाल से भी विद्वान वक्ताओं ने भारत और छत्तीसगढ़ की नदियों के संरक्षण व संवर्धन के लिए जोर दिया। यह आयोजन सामाजिक विज्ञान विभाग (भूगोल), आईक्यूएसी और जीडीसी बिलासपुर द्वारा आयोजित किया गया। भारत और छत्तीसगढ़ की नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन पर मुख्य अतिथि अटल विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने कहा कि नदी को हम जीवन धारा कहते है। नदियों की श्रृंखला ही भारत की पहचान है, नदियों को बचाने के लिए उन्हं सम्मान देना होगा, क्योंकि जिसे हम सम्मान देते है उसका शोषण कभी नहीं करते। इंटरनेशनल कांफेस से नदियों के संरक्षण संवर्धन की दिशा में मंथन हुआ और अनेक सुझाव भी आए। हमें एक नई ऊर्जा के साथ अपने गांव शहर और देश की नदियों को साफ और शुद्व रखने की दिशा में काम आवश्यकता है। कांफेस में हिंदू फोरम ऑफ यूरोप की अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी व्यास, प्रो. त्रिभुवन, नेपाल विश्वविद्यालय, प्रो. उमेश कुमार, प्रो. देवेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ. रम भूषण तिवारी, सीएमडी कॉलेज के उप प्राचार्य प्रो. पी. एल. चंद्राकर, जीडीसी, बिलासपुर के प्राचार्य प्रो. एस. आर. कमलेश सहित अन्य विद्वानों ने अपनी बात रखी। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में

		एक्सप्लोरिंग ट्रेडीशनल इंडियन विजडम इन फिजिकल एजुकेशन ब्रिजिंग द पास्ट विद माडर्न प्रैक्टिसेस विषय पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन दिनांक 14 जून एवं 15 जून 2024 को किया गया था। इस अवसर पर डॉ. राकेश तोमर फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट किंग फेड विश्वविद्यालय का पेट्रोलियम एंड मिनिरल्स सऊदी अरब डॉ. लीमन फुल फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, प्रो. नीरज जैन लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. राजकुमार शर्मा, एसोसिएट प्रो. फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर मध्यप्रदेश, डॉ. सी. डी. अगासे, प्रो. और डीन फिजिकल एजुकेशन, प्रडित रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. आदर्श तिवारी डायरेक्टर एंड हेड डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशनएंड स्पोटर्स दो दिनों तक विचार मंथन करेंगे। इस अवसर पर उपस्थिति लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के प्रो. नीरज जैन ने कहा कि शारीरिक शिक्षा पूरी तरीके से प्रैक्टिकल होती है। हम जो भी बात करते है उसे करके दिखाते हैं यह मेडिकल सांईस भी है। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. आर. पी. दुबे जी ने कहा कि गीता में ध्यान योग की बात कही गई है। जो हमारे मन मस्तिष्क एवं शरीर को उन्नत कर उसे परमात्मा से जोड़ने का मार्ग दिखाता है। यही साष्टांग योग शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रम का भाग बनना चाहिए। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं परिसर में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (सीजी कास्ट) के समन्वय प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय और सीजी कास्ट मिलकर विद्यार्थियों के साथ–साथ पूरे अंचल में स्कूलों, महाविद्यालयों के अलावा आम जन में विज्ञान के प्रति

		रूचि और जागरूकता के लिए कार्य कर रहे है। दिशा ग्राम में विद्यार्थियों को भ्रमण भी कराया गया था। डॉ. सी. व्ही. विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् रायपुर, एक साथ मिलकर विज्ञान एवं अनुसंधान, नवाचार, रिसर्च, पेंटेंट की दिशा में कार्य कर रहे है। इस क्रम में डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थापित सीजी कास्ट सेंटर में विज्ञान प्रदर्शनी, प्रोजेक्ट प्रतियोगिता व एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिथि वक्ताओं ने विद्यार्थियों से रिन्यूबल एनर्जी बैक बोन ऑफ द न्यू एरा विषय पर जानकारी दी। यह आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, सेंटर फॉर रिन्यूबल ग्रीन एनर्जी एवं आईक्यूएसी के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि प्रकाश दुबे सहित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने योग किया। आर्ट ऑफ लिविंग की योगा ट्रेनर अंशुल सैनी ने योग कराया. कुलपति प्रोफेसर रवि प्रकाश दुबे ने कहा कि योग हमारे शरीर मन और मस्तिष्क को एकाग्र करता है। यही एकाग्रता ही शांति प्रदान करती है। दैनिक जीवन में योग को शामिल करके हमें आज की तनाव ग्रस्त जीवन शैली के तनाव से मुक्ति मिलती है, इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव महोदय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि, योगा एक ऐसा लोकपर्व है, जो समाज को संगठित करके एक मंच से और एक ही सुर में योग के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करता है। भारत की पहल के बाद योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहचान

		मिली थी और इसे पहली बार 21 जून 2015 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। तभी से हर वर्ष 21 जून को पूरे हर्षोल्लास के साथ दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। विद्यार्थी जीवन को अनुशासित और निरोगी बनाने में योग एक बड़ी भूमिका निभाता है। इस योगा दिवस कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, समस्त प्रशासनिक अधिकारी, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवम छात्र छात्राओं ने एक साथ योग किया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला ने कनफेडरेशन इंडियन इंडस्ट्री लंर्निंग डेलिगेशन के साथ ऑस्ट्रेलिया की 09 दिवसीय यात्रा की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा संस्थानों, स्किल एजुकेशन एवं रिसर्च सेंटर्स में विजिट किया। विजिट के दौरान उन्होंने मेलबर्न और सिडनी की सभी शिक्षण, स्किल संस्थाओं, रिसर्च सेंटर के साथ वहां के उद्योगों की डिमांड एवं उनकी आवश्यकताओं के संबंध में भी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ कोलाबरेशन से रिसर्च के क्षेत्र में काम करेगा। साथ ही स्टूडेंट एक्सचेंज और स्किल के क्षेत्र में भी साथ मिलकर काम करेंगे। वहां की औद्योगिक आवश्यकताओं और डिमांड का भी सर्वे किया। बड़ी संख्या में स्किल्ड युवाओं की वहां आवश्यकता है। हम वहां की जरूरत के हिसाब से कोर्स संचालित करेंगे, जिससे यहां के युवाओं को वहां रोजगार प्राप्त हो सके। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में फिनटेक मे वित्तीय साक्षरता और उद्यमशीलता के अवसर विषय पर तीन

		दिवसीय प्रशिक्षण और कार्यशाला का आयोजन दिनांक 26 जून से 28 जून 2024 तक किया गया। तीन दिनों तक बेहतर वित्तीय योजना एवं प्रबंध सुनिश्चित करने, बैंकिग सेवाओं, बैंकिग उपकरणों, सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही वित्तीय शोषण एवं वित्तीय धोखेबाजों से बचाव के उपाय भी बताए गये। प्रशिक्षण में अनुसूचित जनजाति की छात्राओं और महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदानान किया गया। यह आयोजन डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन, आईआईटी भिलाई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया। – सत्र 2024–25 में शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	

कुलसचिव